



प्रेस विज्ञप्ति

तत्काल प्रसारणार्थ

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2020..... न्यूज़ ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन (एन.बी.ए.) समाज के एक वर्ग द्वारा न्यूज़ चैनलों में कार्यरत एंकरों और रिपोर्टर्स के खिलाफ अपशब्दों और धमकियों के इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर गहरी चिन्ता व्यक्त करता है।

यह प्रवृत्ति उस समय से देखी जा रही है जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने देश भर में कोरोना वायरस के प्रसारण में तबलीगी जमात की भूमिका को उजागर करना शुरू किया। जमात के कार्यकर्ताओं द्वारा वायरस फैलाए जाने के कारण देश भर में कोरोना वायरस से पीड़ित मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

व्हाट्सएप, टिकटॉक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर न्यूज़ चैनलों में काम करने वाले एंकरों और रिपोर्टर्स को खास तौर से निशाना बनाया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो डाले जा रहे हैं जिनमें कई धर्म प्रचारक टीवी. न्यूज़ एंकरों और चैनलों के नाम लेकर उनके रिपोर्टर्स पर हमला तक करने की धमकियां दे रहे हैं।

एन.बी.ए. समाज के एक वर्ग में इस तरह की खतरनाक प्रवृत्ति की घोर निन्दा करता है तथा सरकार और कानून प्रवर्तक एजेंसियों से अपील करता है कि वे ऐसे समाज विरोधी तत्वों के खिलाफ फौरन कार्रवाई करें।

मौजूदा लॉकडाउन के समय भारत में कोरोना वायरस महामारी की विस्तार से रिपोर्टिंग करने में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने प्रशंसनीय भूमिका निभाई है। आम तौर पर यह रिपोर्टिंग सटीक और सन्तुलित रही है। न्यूज़ चैनलों में कोरोना पर होने वाली बहसों में समाज के सभी वर्गों को उचित भागीदारी दी गई है।

एन. बी.ए. सभी धार्मिक कट्टरपंथियों से अपील करता है कि वे न्यूज़ चैनलों के खिलाफ धमकियां देने और निराधार आरोप लगाने से बाज आएं। इस तरह के कार्य हमारे संविधान में प्रदत्त प्रेस और अभिव्यक्ति की आज़ादी के मौलिक अधिकार के खिलाफ है।

कट्टरपंथियों सहित समाज के सभी वर्गों को न्यूज़ चैनलों के मंच उपलब्ध हैं। एन.बी.ए. चाहता है कि ये सभी नेता कोरोनावायरस के प्रसार में तबलीगी जमात की भूमिका पर अपना पक्ष साफ रखने के लिए आगे आएं।

न्यूज़ ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन (एन.बी.ए.) भारत में चौबीस घंटे खबरों का प्रसारण करने वाले न्यूज़ चैनलों का एसोसिएशन है। इस एसोसिएशन में 77 चैनलों का प्रसारण करने वाले 27 ब्रॉडकास्टर सदस्य हैं।

(रजत शर्मा)

अध्यक्ष,

न्यूज़ ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन